NIOS PYQ's SOLUTIONS

PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS

APRIL-2024

Your Path to Success

खंड – क

प्रश्न 1 - "नृत्यांगना" मूर्ति हमें कहाँ से प्राप्त हुयी है?

(A) सोहनजो-दाड़ो

(B) मोहनजो-दाड़ो

(C) रोहनजो-दाड़ो

(D) पवनजो-दाड़ो

उत्तर - (B) मोहनजो-दाड़ो

प्रश्न 2 –(a) "मोनालिसा" नामक चित्र किसने चित्रित किया?

(A) माइकल एन्जेलो

(B) रैम्ब्रों

(C) लिओनार्डो डा विन्ची

(D) सैन्ड्रो बोत्तिचेल्ली

उत्तर – (C) लिओनार्डो डा विन्ची

अथवा

(b) "रामपुरवा बुल कैपिटल" का माध्यम क्या है?

(A) पालिश किया हुआ बालु का पत्थर

(B) धातु

(C) फाइबर

(D) कागज

उत्तर - (A) पालिश किया हुआ बालु का पत्थर

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 3 – (a) "अमूर्त कला" कहाँ शुरू हुयी?

(A) विश्व के पूरब भाग में

(B) विश्व के पश्चिम भाग में

(C) विश्व के उत्तर भाग में

(D) विश्व के दक्षिण भाग में

उत्तर - (B) विश्व के पश्चिम भाग में

(b) चित्रकार गगनेन्द्रनाथ टैगोर के लिए सही वर्णन को छाँटिए :

(A) उनके चित्रों में सेजां की पेन्टिंग का प्रभाव है।

(B) उनके चित्रों में ऐडगर डेगा की पेन्टिंग का प्रभाव है।

(C) उनके चित्रों में रेम्ब्रॉ की पेन्टिंग का प्रभाव है।

(D) उनके चित्रों में यूरोप की घनवादी शैली का प्रभाव है।

उत्तर – (D) उनके चित्रों में यूरोप की घनवादी शैली का प्रभाव है।

प्रश्न 4 – (a) 'दि मैडीवल सेन्टस' नामक चित्र में किस तकनीक का प्रयोग किया गया ?

(A) ड्राइ प्वाइंट तकनीक

(B) ताम्रपत्र उत्कीर्ण तकनीक

(C) भित्ति-चित्र तकनीक

(D) कागज पर उत्कीर्ण तकनीक

उत्तर – (C) भित्ति-चित्र तकनीक

अथवा

(b) अमूर्त कला कलाकारों का युग्म छाँटिए।

(A) कान्डिंसकी - माइकल एन्जेलो

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(B) कान्डिंसकी – मॉन्ड्रियन

(C) डेलारून्ने - राजा रवि वर्मा

(D) माइकल एन्जेलो - पॉल सेजां

उत्तर – (B) कान्डिंसकी - मॉन्ड्रियन

प्रश्न 5 - गुप्त काल में कला के मुख्य केन्द्र _____ थे।

(A) मथुरा, सारनाथ

(B) देहली, राजस्थान

(C) गुजरात, बंगाल

(D) कलकत्ता, जम्मू

उत्तर - (A) मथुरा, सारनाथ

प्रश्न 6 - उस चित्रकार की पहिचान करें जिसका सम्बन्ध "_____" से है।

(A) कृष्णा रेड्डी & ब्रह्मचारीज

(B) राजा रवि वर्मा & हंस दमयंती

(C) बिनोद बिहारी & ब्लैक लाइन्स

(D) अमृता शेरगिल & मैन विद वायलिन

उत्तर – (B) राजा रवि वर्मा & हंस दमयंती

खंड – ख

नीचे लिखे अनुच्छेदों को पढ़िये और प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

अनुच्छेद प्रथम :

सिन्धुघाटी की सभ्यता का नाम उस स्थान से है जहाँ सभ्यता के प्राथमिक प्रमाण मिले। इस सभ्यता का मुख्य स्थान मोहनजो-दाड़ो तथा हड़प्पा हैं। जो अब पाकिस्तान में है। इस सभ्यता को हड़प्पन सभ्यता से जाना जाता है। यह 2500 ई.पू. तथा 1750 ई.पू. के मध्य पनपी भारतीय इतिहास में मौर्य वंशावली का राज्यकाल काफी

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

महत्वपूर्ण है। इस राजवंश की स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य ने की। चन्द्रगुप्त मौर्य के पौत्र अशोक महान ने कला एवं वास्तुकला के उत्थान के लिए बड़ा योगदान दिया। वह बौद्ध धर्म का अनुयायी था। और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रचार एवं प्रसार के लिए उसने पूरे साम्राज्य के स्तम्भों एवं शिला लेखों को स्थापित किया। महाराष्ट्र में औरंगाबाद जिले के निकट अजन्ता गुफाएँ हैं। इस गुफाओं का नामकरण पास ही के गांव 'अजिन्त से पड़ा। अजन्ता की कलाकृतियाँ दो चरणों में पूरी हुयी। प्रथम हीनयान चरण में हुयीं जिसमें भगवान बुद्ध को प्रतीकों के माध्यम से दर्शाया गया है। और दूसरा चरण महायान का है। जिसमें भगवान बुद्ध को मानवीय रूप में दिखाया गया है। अजन्ता के चित्रकारों ने परम्परावादी टैम्परा पद्धति का प्रयोग किया गया है। अजन्ता भित्ति-चित्रों का विषय मूल से धार्मिक था।

प्रश्न 7 – (a) सिन्धुघाटी की सभ्यता के मुख्य स्थान _____ तथा _____हैं।

उत्तर – मोहनजो-दाड़ो तथा हड़प्पा

अथवा

(b) वर्तमान में सिन्धुघाटी की सभ्यता _____ में है।

उत्तर – पाकिस्तान

प्रश्न 8 – सिन्धुघाटी की सभ्यता के प्रथम _____, _____ में मिले।

उत्तर – प्रमाण, हड़प्पा

प्रश्न 9 – (a) मौर्य वंश की स्थापना _____ ने की थी।

उत्तर – चन्द्रगुप्त मौर्य

अथवा

(b) अशोक_____ धर्म का अनुयायी था।

उत्तर – बौद्ध

प्रश्न 10 – अजन्ता की कलाकृतियाँ _____ चरणों में पूरी हुयीं।

उत्तर – दो

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 11 – (a) अजन्ता के चित्रकारों ने _____ पद्धति का प्रयोग किया।

उत्तर – परम्परावादी टैम्परा

अथवा

(b) अजन्ता के भित्ति-चित्रों का विषय _____ था।

उत्तर – धार्मिक

अनुच्छेद द्वितीय :

आधुनिक भारतीय कला देश के इतिहास तथा सामाजिक परिस्थितियों से संबंधित है। कलाकारों ने इन परिस्थितियों में अपनी शैली का विकास किया। ब्रिटिश राज के पतन के बाद विभिन्न विचारधाराओं का विकास हुआ। कंपनी विचारधारा के अन्तर्गत ब्रिटिश युग विभिन्न कलाकृतियाँ देखने को मिली। भारतीय कलाकारों ने अपने चित्रों में यूरोपिय तकनीक का प्रयोग किया। चित्रकार राजा रवि वर्मा ने भारतीय विषयों को पुनः क्रियाशील करने के लिए प्रयास किए और इसमें उन्होंने पाश्चात्य शैली का अनुसरण किया। बाद में शान्तिनिकेतन में बंगाल मंच की स्थापना हुई जो कला के विकास का केन्द्र बना। अबनीन्द्रनाथ टैगोर तथा उसके अनुयायियों का योगदान बड़े पैमाने पर देखने को मिलता है। बंगाल परंपरा ने समकालीन कला में गति देने में प्रारम्भिक योगदान दिया। अमृता शेरगिल इस युग में सर्वोत्तम कलाकार थीं। वह किसी विशेष भारतीय विचारधारा से सम्बद्ध नहीं थी।

प्रश्न 12- (a) ब्रिटिश राज के पतन के बाद विभिन्न विचारधाराओं का विकास हुआ। (सही/गलत)

उत्तर – सही

अथवा

(b) भारतीय कलाकारों ने अपने चित्रों में यूरोपीय तकनीक का प्रयोग किया। (सही/गलत)

उत्तर – सही

प्रश्न 13- (a) राजा रवि वर्मा ने पाश्चात्य शैली का अनुसरण नहीं किया। (सही/गलत)

उत्तर – गलत

अथवा

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) शान्तिनिकेतन में बंगाल स्कूल की स्थापना हुयी। (सही/गलत)

उत्तर – सही

प्रश्न 14- बंगाल स्कूल ने समकालीन कला में गति को प्रारम्भिक योगदान किया। (सही/गलत)

उत्तर – सही

प्रश्न 15- अमृता शेरगिल किसी विशेष विचारधारा से सम्बद्ध थी। (सही/गलत)

उत्तर – गलत

खंड – ग

विकल्प को चुनिये और उसका उत्तर दीजिए। (कम से कम 30 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

प्रश्न 16- "दि अट्रियम" चित्र का वर्णन कीजिए।

उत्तर – गगनेन्द्रनाथ टैगोर का "दि अट्रियम" क्यूबिस्ट प्रभाव वाला चित्र है। इसमें ज्यामितीय आकृतियाँ, रंगों के विभिन्न शेड्स, प्रकाश-छाया का नाटकीय खेल और सरलीकृत रूप दिखाई देते हैं।

प्रश्न 17- उस भारतीय कलाकार के बारे में लिखिए जो अन्धा हो गया था।

उत्तर – बेनोड बिहारी मुखर्जी नंदलाल बोस के शिष्य थे, जो बंगाल स्कूल के प्रसिद्ध चित्रकार थे। बेनोड बिहारी को प्रकृति और उसकी सुंदरता से बहुत लगाव था और उन्होंने अपने चित्रों का आधार इसी पर रखा। उन्होंने जापान से लैंडस्केपिंग की कला सीखी। बेनोड बिहारी का बचपन से ही दृष्टि दुर्बल थी और जीवन के बाद के हिस्से में वे पूरी तरह अंधे हो गए। न तो उनकी कमज़ोर दृष्टि और न ही बाद में अंधापन उनकी सृजनात्मक प्रेरणा को रोक सका।

प्रश्न 18- 'रामपुरवा बुल कैपिटल' की लाक्षणिकताएँ क्या हैं?

उत्तर – रामपुरवा बुल कैपिटल प्राचीन भारतीय मूर्तिकला और वास्तुकला का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह पालिश किए हुए बालू के पत्थर से निर्मित है और इसमें बैल की आकृति दिखाई गई है, जो शक्ति और धार्मिक महत्व का प्रतीक है। इसकी डिज़ाइन सरल लेकिन आकर्षक है, जिसमें सुरुचिपूर्ण रेखाएँ और बारीक नक्काशी देखी जा सकती हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

प्रश्न 19- (a) "गोवर्धन पर्वत को उठाते हुये कृष्ण" पर संक्षिप्त नोट लिखिए।

उत्तर – "गोवर्धन पर्वत को उठाते हुये कृष्ण" हॉयसला शैली की मूर्ति है । कृष्ण केंद्र में, पशु-मानव विभिन्न स्तरों पर है। गहराई से नक्काशी की गई है। बारीक डिज़ाइन, जीवंत आकृतियाँ आदि पारंपरिक भारतीय शैलियाँ हैं।

अथवा

(b) ग्राफिक्स या चित्र मुद्रण क्या है? चित्र मुद्रण की कुछ तकनीकियों के नाम बताएँ।

उत्तर – ग्राफिक्स या चित्र मुद्रण कला की एक लोकप्रिय विधि है, जिसका उद्देश्य एक जैसी अनेक प्रतियाँ बनाना है। भारतीय कलाकारों ने 19वीं सदी के अंत से अपनाया। चित्र मुद्रण की कुछ तकनीकियाँ : एचिंग, ड्राय प्वाइंट, इंटाग्लियो, लिथोग्राफी, ऑलियोग्राफी।

विकल्प को चुनिये और उसका उत्तर दीजिए। (कम से कम 50 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

प्रश्न 20- (a) अजन्ता चित्रों में 'अश्वेत राजकुमारी' (Black Princess) सर्वोत्तम कृति मानी जाती है। क्यों?

उत्तर – 'अश्वेत राजकुमारी' अजन्ता चित्रों की सर्वोत्तम कृति मानी जाती है क्योंकि इसकी स्वतंत्र बहती रेखाएँ, शरीर की कोमल रूपरेखा, चेहरे का हल्का झुकाव, आँखों की नक्काशी, सरलता और नरम रंगों में कलाकार की कुशलता और सृजनात्मक नियंत्रण स्पष्ट दिखता है।

अथवा

(b) कोणार्क का 'सूर्य मन्दिर' कहाँ है? कोणार्क मूर्तिकला की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर – कोणार्क सूर्य मंदिर भारत के ओड़िशा, पुरी के पास स्थित है। इसे गंगा वंश के नृसिंहदेव ने बनवाया है। मंदिर की विशाल और जीवन से बड़ी मूर्तियाँ, विशेषकर महिला संगीतकार समूह, जीवंत मुद्रा, रिदमिक हाव-भाव, हल्की मुस्कान और बारीक नक्काशी के लिए प्रसिद्ध हैं। यह सौंदर्य और कलात्मकता का अद्भुत उदाहरण है।

विकल्प को चुनिए और उसका उत्तर दीजिए। (कम से कम 70 शब्दों में उत्तर दीजिए)।

प्रश्न 21- (a) कला में घनवाद को परिभाषित कीजिए। कांडिस्की का कोई एक चित्र चुनकर उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर – घनवाद कला की वह शैली है जिसमें वस्तुओं को ज्यामितीय आकारों (जैसे घन, बेलन) में तोड़कर भिन्न-भिन्न कोणों से दिखाया जाता है । कांडिस्की का चित्र **"ब्लैक लाइन्स" (Black Lines)** अमूर्त कला का उदाहरण

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

है। इसमें काली रेखाएं स्याही जैसी दिखती हैं और रंगीन धब्बे ऐसे लगते हैं मानो उंगलियों से लगाए गए हों। यह चित्र सादगी और शुद्ध आरेखों को दर्शाता है ।

अथवा

(b) राजा रवि वर्मा की चित्रकारी की विषय वस्तुओं तथा तकनीक का वर्णन कीजिए।

उत्तर – राजा रवि वर्मा की चित्रकारी में भारतीय पौराणिक कथाएँ, देवी-देवता, रामायण और महाभारत के दृश्य प्रमुख विषय हैं। उन्होंने अपने चित्रों में पाश्चात्य (यूरोपीय) तकनीक अपनाई, जैसे तेल चित्रकला और प्राकृतिक रंगों का उपयोग। उनकी कला में सजीव व्यक्तित्व, भावाभिव्यक्ति और प्राकृतिक दृश्यों की सजीव प्रस्तुति देखी जाती है, जिससे उनके चित्र आम लोगों में भी लोकप्रिय हुए।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

NIOS PYQ's
SOLUTIONS
PREVIOUS YEARS' QUESTIONS & ANSWERS
OCTOBER-2024
Your Path to Success

खंड - अ

नीचे लिखे प्रश्नों का सही उत्तर छाँटकर लिखिए।

1. "अश्वेत राजकुमारी" किस युग की कृति है?

(A) पहली शताब्दी (A.D.) से पाँचवी शताब्दी (A.D.)

(B) दूसरी शताब्दी (A.D.) से छठी शताब्दी (A.D.)

(C) तीसरी शताब्दी (A.D.) से सातवीं शताब्दी (A.D.)

(D) चौथी शताब्दी (A.D.) से आठवीं शताब्दी (A.D.)

उत्तर - (B) दूसरी शताब्दी (A.D.) से छठी शताब्दी (A.D.)

2. 'पीएटा' नामक चित्र किसने चित्रित किया?

(A) रैम्ब्रा

(B) लियोनार्डो डा विंची

(C) सैंडरो बोत्तिचेल्ली

(D) माइकल ऐन्जेलो

उत्तर - (D) माइकल ऐन्जेलो

3. "पर्सिस्टेंस ऑफ मेमोरी" किस शैली का प्रतिनिधित्व करती है?

(A) अमूर्त कला शैली

(B) अतियथार्थवादी शैली

(C) घनवादी

(D) उत्तर प्रभाववाद शैली

उत्तर - (B) अतियथार्थवादी शैली

4. घनवादी कलाकारों का युग्म छाँटिए।

(A) ब्रक - माइकल ऐन्जेलो

(B) ब्रक - लेजे

(C) लेजे - रैम्ब्रा

(D) एडगर देगा - अमृता शेरगिल

उत्तर - (B) ब्रक – लेजे

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

5. "डांसिंग गर्ल" मूर्तिकला वर्तमान में किन राज्यों के जनजातियों को संदर्भित करती है?

(A) गुजरात एवं राजस्थान

(B) तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश

(C) हिमाचल प्रदेश एवं कश्मीर

(D) तमिलनाडु एवं केरल

उत्तर - (A) गुजरात एवं राजस्थान

6. उस कलाकार को पहचानिए जिसका संबंध "_____" से है।

(A) अमृता शेरगिल एवं दुल्हन का श्रृंगार

(B) अबनिन्द्रनाथ टैगोर एवं डांस क्लास

(C) वेन गाग एवं वाटर लिलिज

(D) रेंब्रा एवं गुयेर्णिका

उत्तर - (A) अमृता शेरगिल एवं दुल्हन का श्रृंगार

खंड - ब

नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़िये और उत्तर दीजिए -

7. अनुच्छेद प्रथम :

मुगल साम्राज्य का पतन तथा प्राचीन एवं मध्ययुगीन कला की समाप्ति के बाद भारत में ब्रिटिश राज के साथ समकालीन भारतीय कला प्रारम्भ हुई। राजा रवि वर्मा, अबींद्रनाथ टैगोर, अमृता शेरगिल, रबीन्द्रनाथ टैगोर तथा जैमिनी रॉय समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी कलाकार हैं। ये युवा कलाकार पाश्चात्य कला के आंदोलनों से बखूबी परिचित थे। जर्मन अभिव्यक्तिवाद, घनवाद तथा अतियथार्थवाद ने इन युवा कलाकारों की कला पर बहुत प्रभाव छोड़ा। परंतु साथ ही अपनी भारतीय पहचान बनाए रखने का उनका प्रयास चलता रहा। इस स्तर पर पाश्चात्य तकनीक तथा भारतीय आध्यात्मवाद का मिलन भारतीय कला का मूल भाव रहा। पाश्चात्य विधियाँ तथा सामग्री के प्रयोग के साथ-साथ उन्होंने भारतीय (पूर्वी) तरीकों के प्रयोग का प्रयास जारी रखा। लकड़ी पर कामगीरी, अश्वमुद्र तथा अम्ललेखन पर काफी प्रयोग किए गए।

रिक्त स्थान भरिए :

(a) _____ साम्राज्य के पतन के बाद।

उत्तर - **मुगल** साम्राज्य के पतन के बाद।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(b) _____ राज के साथ समकालीन भारतीय कला का आरंभ हुआ।

उत्तर - **ब्रिटिश** राज के साथ समकालीन भारतीय कला का आरंभ हुआ।

(c) _____ , _____ समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी थे।

उत्तर - **राजा रवि वर्मा , अबींद्रनाथ टैगोर** समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी थे।

(d) _____ , _____ भी समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी थे।

उत्तर - **अमृता शेरगिल , रबीन्द्रनाथ टैगोर** भी समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी थे।

(e) युवा कलाकार _____ आंदोलन से परिचित थे।

उत्तर - युवा कलाकार **पाश्चात्य कला** आंदोलन से परिचित थे।

नीचे लिखे अनुच्छेद को पढ़िये और उत्तर दीजिए :

8. अनुच्छेद द्वितीय :

यद्यपि 14वीं शती के पुनर्जागरण में डुच्चों (Duccio) तथा मासाच्चियो (Masaccio) नामक लब्धप्रतिष्ठित कलाकारों का उदय हुआ जिनके पास शरीर रचना से संबंधित ज्ञान तो कम था, लेकिन 12वीं शती से 16वीं शती के दौरान पश्चिम यूरोपीय वास्तुकला को वर्णन करने की मेघा शक्ति थी। यही कारण है कि उन्होंने अपने पेंटिंग में वैज्ञानिक साम्य और दृष्टिकोण को अच्छी तरह से चित्रित किया। इस युग के कलाकारों में शारीरिक संरचना के ज्ञान का अभाव था, फिर भी उनकी चित्रकला में वैज्ञानिक अनुपात तथा अवलोकन का गुण देखने को मिलता है। 15वीं शती के पुनर्जागरण काल में कला तथा प्रकृति में संतुलन एवं समन्वय पर पर्याप्त जोर दिया गया है। इस युग के बहुत प्रसिद्ध कलाकारों में लियोनार्डो डा विंची, रैफेल तथा माइकल ऐन्जेलो, मानेरिस्ट कलाकारों का जिक्र किया जाता है। व्यवहारवादी कलाकारों ने उच्च पुनर्जागरण युग के सिद्धांतों की दीर्घरूपता को असंगत ठहराया। इस स्तर पर मानवीय संवेगों, भाव-भंगिमाओं पर शारीरिक संरचना से अधिक महत्व दिया गया था।

सत्य या असत्य लिखिए :

(a) डुच्चों तथा मासाच्चियों 19th C. का चित्रकार है।

उत्तर – असत्य

(b) उन्होंने अपनी पेंटिंग में वैज्ञानिक साम्य और दृष्टिकोण को अच्छी तरह से चित्रित किया।

उत्तर - सत्य

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

(c) पुनर्जागरण काल में कला तथा प्रकृति में संतुलन एवं समन्वय पर पर्याप्त जोर दिया गया है।

उत्तर - सत्य

(d) प्रकाश एवं छाया की संपूर्णता इस काल में सही नहीं थी।

उत्तर - असत्य

खंड - स

विकल्प को चुनिये और उसका उत्तर दीजिए। (कम से कम 30 शब्दों में उत्तर दीजिए)

9. अमृता शेरगिल के कोई एक चित्र को चुनकर वर्णन कीजिए।

उत्तर - अमृता शेरगिल के चित्र "दि ब्रह्मचारिज़" का वर्णन :

अमृता शेरगिल द्वारा **"दि ब्रह्मचारीज"** चित्र 1938 में बनाया। इस चित्र में उन्होंने आश्रम के कुछ ब्रह्मचारी विद्यार्थियों की सहजता को देखकर हिन्दू आस्थाओं पर पूर्ण विश्वास चित्रित किया है। इस चित्र में पांच पुरुष आकृतियाँ दिखाई गई हैं। शरीर के विभिन्न रंगों को काफी महत्व दिया गया है। गहरी लाल पृष्ठभूमि, सफेद धोतियां, हरा और भूरा रंग मिलकर शांत और संतुलित माहौल बनाते हैं।

10. 'वर्ह्ल्पूल' चित्र का वर्णन कीजिए।

उत्तर - 'वर्ह्ल्पूल' चित्र का वर्णन : "वर्लपूल" कृष्णा रेड्डी की प्रसिद्ध कृति है, जो उत्कीर्ण पद्धति से बनाई गई है। इसमें तांबे या जस्ता की प्लेट पर स्याही भरकर आकृतियाँ बनाई जाती हैं। चित्र में परिचित वस्तुएं अमूर्त रूप में परिवर्तित हो जाती हैं, और प्रकृति के प्रभाव को दर्शाया गया है। इस चित्र में वस्तुओं का प्रतिबिम्ब जैसे सितारे, फूल तथा बादलों को स्पष्ट रूप से पहचाना जाना मुश्किल है। कृष्णा रेड्डी के मूर्तिकला अनुभव ने इस कृति के अर्थ और प्रभाव को बेहतर बनाया। इस चित्र में कलाकार का मुख्य उद्देश्य प्रकृति के प्रभाव को चित्रित करना था।

11. 'रामपुरवा बुल कैपिटल' का सामान्य परिचय दीजिए।

उत्तर - 'रामपुरवा बुल कैपिटल' का सामान्य परिचय :

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

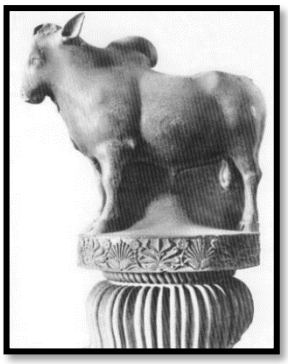

सम्राट अशोक ने राजकीय आज्ञाओं और भगवान बुद्ध के उपदेशों को स्तंभों, चट्टानों और पत्थरों पर खुदवाया। उनके स्तंभ भारत के अधिकांश हिस्सों में पाए जाते हैं। हर स्तंभ में **तीन मुख्य हिस्से** होते थे: **आधार, शीर्ष और शीर्षफलक**। पहला तो आधार होता था जो एक बढ़े हुए तीर (दण्ड) की भाँति हुआ करता था। दूसरा हिस्सा स्तंभ का सजा हुआ शीर्ष स्थान होता था। उस हिस्से को 'शीर्ष' कहा जाता था। शीर्षों में अधिकांशतः एक या अधिक पशुओं की आकृतियाँ उलटे कमल के साथ खुदी होती थीं। ये कमल इन पशुओं की आकृतियों के लिए एक आधार का कार्य करते थे। रामपुरवा में पाया गया बैल का शीर्ष सबसे प्रसिद्ध है, जो ग्रीक और मध्य-पूर्व कला से प्रेरित है। इस पर की गई नक्काशी भारतीय मूर्तिकारों की कला की उत्कृष्टता को दर्शाती है।

12. कोणार्क की 'सुर सुंदरी' के सुंदरता पर प्रशंसात्मक लेख लिखिए।

उत्तर - कोणार्क की 'सुर सुंदरी' के सुंदरता पर लेख :

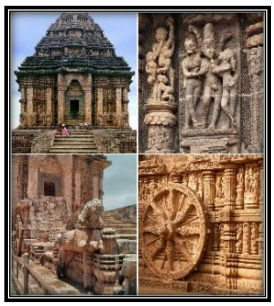

गंग वंश के राजा नरसिंह देव-I ने कोणार्क में **सूर्यमंदिर** बनवाया, जो उड़ीसा वास्तुकला का श्रेष्ठ उदाहरण है। यह मंदिर अपने विशाल आकार और काले पत्थर से बनी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। मूर्तियों में नारी संगीतज्ञों की आकृतियाँ विशेष हैं, जो अलग-अलग वाद्ययंत्रों के साथ तराशी गई हैं। सुरसुन्दरी के पास ड्रम है। मूर्ति में लय और गति है, और सिर थोड़ा झुका हुआ है। उसकी सुंदरता और आकर्षण उसके अंगों की लयात्मकता और आभूषणों से बढ़ती है। मूर्तियों का झुकाव और वेशभूषा उन्हें और सुंदर बनाती है।

अथवा

पनिकर के प्रसिद्ध चित्र का वर्णन संक्षेप में कीजिए।

उत्तर - के.सी.एस. पनिकर का प्रसिद्ध चित्र 'शब्द और प्रतीक' का वर्णन :

के.सी.एस. पनिकर दक्षिण भारत के समकालीन कला आंदोलन के प्रणेता थे। उनकी शैली में यथार्थवाद से ज्यामितीय शैली तक बदलाव आया। उनका प्रसिद्ध चित्र **'शब्द और प्रतीक'** प्रयोगात्मक कार्य है, जिसमें पनिकर ने गणित के चिह्नों, अरबी आकृतियों तथा रोमन एवं मलयालम लिपि के प्रयोग से ऐसी आकृति पैदा की है जो देखने में जन्म पत्रिका जैसी लगती है। तान्त्रिक प्रतीकात्मक रेखा-लेखों का प्रयोग भी किया गया है। इन चित्रों में रंगों का प्रयोग नाम मात्र के लिए है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विकल्प को चुनिये और उत्तर दीजिए। (कम से कम 50 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

13. अजन्ता चित्रों में किसी एक की पद्धति और तकनीक की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - अजन्ता चित्रों में **"टैम्परा पद्धति"** का प्रयोग प्रमुखता से किया गया है। यह परंपरागत तकनीक दीवारों पर चित्र बनाने की एक विधि है, जिसमें प्राकृतिक रंगों को पानी में घोलकर प्रयोग किया जाता है। सबसे पहले दीवार पर पतली मिट्टी और चूने की परत चढ़ाई जाती है। सूखने के बाद इस पर रंगों से चित्र उकेरे जाते हैं।

इस पद्धति की विशेषता यह है कि चित्रों में रंग सूखने के बाद स्थायी हो जाते हैं और चमक बनाए रखते हैं। कलाकारों ने शरीर के अंगों की कोमलता, गर्दन का झुकाव और चेहरे की भाव-भंगिमाओं को बेहद सजीवता से दर्शाया है। रंग संयोजन में हल्के और सादे रंगों का प्रयोग कर चित्रों को दिव्यता प्रदान की गई है, जिससे उनमें सरलता और सहजता झलकती है।

अथवा

'अर्जुन का चिंतन' नामक मूर्ति की विशेषताएँ क्या हैं? वह कहाँ स्थित है?

उत्तर - 'अर्जुन का चिंतन' नामक मूर्ति को गंगावतरण के नाम से भी जाना जाता हैं। यह मामल्लपुरम (चेन्नई) में स्थित हैं।

'अर्जुन का चिंतन' नामक मूर्ति की विशेषताएँ :

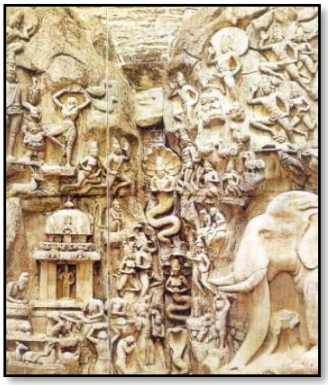

1) **अर्जुन का चिंतन** नामक मूर्ति पल्लव काल की अद्भुत शिल्पकला का नमूना है। यह मूर्ति दो बड़े पत्थरों पर उकेरी गई है। हालाँकि यह समतल नहीं है, फिर भी इसमें आकृतियों का प्रवाह और स्वाभाविकता साफ दिखता है।
2) इस मूर्ति में विभिन्न आकार के मनुष्य तथा पशुओं के एक झुंड के रूप में दिखाया गया है। साथ ही, देवता, अर्ध देव - (अंशावतार) तथा योगी, सभी को उड़ते हुए दिखलाया गया है।
3) कुछ विद्वानों ने इस उभरी हुई मूर्तिकला को गंगावतरण का नाम दिया है जिसमें शंकर जी को पथ्वी पर आती गंगा की धारा के प्रवाह को अपनी जटाओं में रोकते हुए दिखाया गया है।
4) इस मूर्ति में आकृतियों की कोमलता तथा उनकी गोलाई कलाकार की कुशलता के उदाहरण हैं। दीर्घ काल से दक्षिण में यह कृति भारतीय वास्तुकला की महान कृति मानी जा रही है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

विकल्प को चुनिए और उसका उत्तर दीजिए। (कम से कम 70 शब्दों में उत्तर दीजिए।)

14. अमूर्त कला क्या है? प्रख्यात पेंटिंग 'मैन विद वायलन' का वर्णन कीजिए।

उत्तर - अमूर्त कला : अमूर्त कला अभिव्यक्ति विहीन कला के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला शब्द है। यह एक ऐसी कला है जिसके माध्यम से समकालीन संसार को वास्तविक रूप में चित्रित करने के लिए कलाकार तैयार नहीं थे।

प्रख्यात पेंटिंग 'मैन विद वायलन' चित्र :

पाब्लो पिकासो की प्रख्यात पेंटिंग **'मैन विद वायलिन'** (Man with Violin) का सृजन 1912 में किया गया था, जो क्यूबिज़्म (Cubism) कला शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

इस चित्र में पिकासो ने वास्तविकता को पारंपरिक दृष्टिकोण से नहीं बल्कि कई दृष्टिकोणों से एक साथ प्रस्तुत किया है। पेंटिंग में वायलिन बजाते हुए व्यक्ति को विभिन्न कोणों और ज्यामितीय आकारों के संयोजन से दर्शाया गया है, जिससे उसका रूप जटिल और अद्वितीय दिखाई देता है।

चित्र में हल्के और गहरे रंगों का कुशल उपयोग किया गया है, जो छायाओं और प्रकाश के प्रभाव को दर्शाते हैं। इस पेंटिंग का मुख्य उद्देश्य विषय की बाहरी सुंदरता से अधिक उसकी आंतरिक संरचना और गतिशीलता को उभारना था।

अथवा

क्या आप गग्नेंद्रनाथ टैगोर को घनवादी चित्रकार मानते हैं? अपना मत स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - हाँ, हम गग्नेंद्रनाथ टैगोर को घनवादी चित्रकार मानते हैं क्योंकि-

- इन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्षों में एक स्पष्ट शैली बना ली तथा घनवाद को विकसित किया। इनके अनुसार घनवाद का मूल उद्देश्य अभिव्यक्ति को गूढ़ ज्यामितीय आकारों के माध्यम से अभिव्यक्त करना था। 1910 से 1921 के दौरान टैगोर की प्रमुख कृतियों में चैतन्य की जीवनगाथा तथा भारतीय जीवन को दर्शाते हुए चित्र हैं।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

- गगनेंद्रनाथ ने अपने कला चित्रों में हलके रंग तथा छाया के माध्यम से ज्यामितीय आकारों तथा सरल आकारों को आकार देना प्रारम्भ किया। उन्होंने कभी भी पाश्चात्य कलाशैली का अन्धानुकरण नहीं किया।

गगनेंद्रनाथ टैगोर के चित्रों में से एक चित्र दि अट्रियम (The Atrium) असाधारण कला कृति है जो उनकी कृतियों पर घनवाद के प्रभाव का नमूना है। उन्होंने अपने चित्रों में यही शैली अपनाई। इस चित्र में रंगों के माध्यम से प्रकाश एवं छाया के अपूर्व संयोजन के प्रयोग से हुए प्रभाव को दर्शाया है।

All Rights Reserved © Manish Verma (MVS Foundation), for more Notes visit https://www.mvsfoundation.in/

Thank you!

We hope you found this material helpful. We wish you the very best for your examination.

Strive for Excellence – Your Path to Success